शोध मंथन

हिन्दी शोध (पत्रिका)

शोध मंथन में समाज, साहित्य, कला, राजनीति, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, पुस्तकालयविज्ञान, पत्रकारिता शिक्षा, कानून, इतिहास, दर्शन, महिला शिक्षा, महिला जगत, पुरूष, बाल जगत आदि के जुड़े विषय पर उत्कृष्ट, मौलिक, तरूपरक, वैज्ञानिक पद्धति से युक्त व प्रासंगिक उच्चस्तरीय शोधपत्रों को प्रकाशित किया जाता है।

सम्पादकः

डॉ0 (के0) अन्जुला राजवंशी,

एसो0 प्रो0, आर0 जी0 पी0जी0 कॉलिज, मेरठ

सम्पादकीय समिति

डॉ0 सुनीता बडोला, एच0 एन0 ब0, गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर

डॉ0 सौरभ कुमार, असि0 प्रो0, हिन्दी विभाग, सतीश चन्द्र धवन राजकीय महाविद्यालय, लुधियाना

डॉ0 सत्यवीर सिंह, असि0 प्रो0, समाजशास्त्र विभाग, चौ0 जी0 एस0 गर्ल्स डिग्री कालिज, सहारनपुर

डॉ0 विनोद कालरा, अध्यक्षा, हिन्दी विभाग, कन्या महाविद्यालय, जालन्धर

डॉ0 अनामिका, असि0 प्रो0, एन0 के0 बी0 एम0 जी0 पीजी कॉलिज, चंदौसी

डॉ0 पूजा खन्ना, असि0 प्रो0, मुरादाबाद मुस्लिम डिग्री कॉलिज, मुरादाबाद

डॉ0 कामना कौशिक, असि0 प्रो0, सी0 एम0 के0 नेशनल पी0 जी0 गर्ल्स कॉलिज, सिरसा हरियाणा

श्रीमति कीर्थि देवी रामजतन, महात्मा गॉधी इंस्टीटयूट, मोरिश्यस

- शोध मंथन त्रि–मासिक जर्नल है।
- शोध मंथन में पूर्व प्रकाशित लेख व पत्र प्रकाशित नहीं किये जाते।
- शोध मंथन के प्रबन्ध सम्पादक पूर्व निर्धारित हैं। यथा समय अतिथि सम्पादक चयनित किये जाते हैं।
- प्रकाशित सामग्री का कॉपी राइट जर्नल अनु बुक्स, मेरठ का है।
- अपना शोध पत्र प्रकाशित करवाने के लिये ई–मेल के द्वारा अपने पूर्ण पते के साथ भेजे।
- सम्पादकीय समिति का निर्णय अन्तिम होगा।
- **Authors are solely responsible for the any case of plagiarism.**

Published by ANU BOOKS in support of
KAILBRI INTERNATIONAL EDUCATIONAL TRUST
Printed by D.K. Fine Art Press Pvt. Ltd., New Delhi.

हमारे यहॉ लेख प्रकाशित करने का कोई मूल्य नहीं लिया जाता हैं।

Subscription

India	Rs. 750.00 प्रति अंक	Rs. 3000.00 वार्षिक
Foreign	$75.00	$ 300.00 वार्षिक

ISSN: (P): 0976-5255 (e): 2454-339X
Impact Factor 7.760 (SJIF)

शोध मंथन

हिन्दी शोध पत्रिका

A Peer Reviewed & Refereed International Journal in Hindi

Vol. XI No. I **Jan-Mar. 2020**

https://doi.org/10.31995/shodhmanthan

अनुक्रमणिका

1. **साइबर एक अपराध**
डॉ0 अनिता रानी 1

2. **ठोस अपशिष्टः समस्या और समाधान**
डा. अनूप सिंह सांगवान 6

3. **वृद्धों की समस्याएँ : पारिवारिक मूल्यों में ह्रास का परिणाम**
डा0 कविता वर्मा 14

4. **'निराला' के काव्य में मानवतावाद**
डॉ॰ सुनीता देवी 21

5. **भारत के मुस्लिम समाज का बदलता शैक्षिक एवं व्यावसायिक परिदृश्य, उत्तराखण्ड राज्य के जसपुर नगर के विशेष संदर्भ में**
डा0 सिराज अहमद, डा0 जी0सी0 बेंजवाल,
पं0 ललित मोहन शर्मा 25

6. **महिलाओं का सेवा क्षेत्र में योगदान एवं योगदान के लिए प्रेरणा स्रोत**
डा0 विनोद कुमार 39

7. **प्रसाद के काव्य में सार्वभौमिक भावना और विश्व–मानवता के कल्याण के स्वर**
डॉ0 कल्पना माहेश्वरी 47

8. हिमालय के लघु भू–चित्रों के रचयितता बिरेश्वर सेन
डॉ. कविता सिंह 52
9. साहित्य और समाज
डॉ0 राजेश कुमार 58
10. इक्कीसवीं सदी में केन्द्र–राज्य वित्तीय सम्बन्धः
बिहार झारखंड और ओड़िसा राज्यों के विशेष संदर्भ में
रमेश कुमार ठाकुर 62
11. महिला सशक्तीकरण की आवश्यकताः
एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण
श्रीमती स्वाति सक्सेना 70
12. हिन्दी भाषाः कितनी सम्पन्नः
डॉ0 अनीता जैन 78